सत्यमेव जयते

प्रकृति रक्षति रक्षिता — Nature Protects if She is Protected

LiFE Lifestyle for Environment

EIACP — Environmental Information, Awareness, Capacity Building and Livelihood Programme

CSIR-INDIA सीएसआईआर CSIR भारत का नवाचार इंजन The Innovation Engine of India

C.S.I.R.-National Botanical Research Institute, Lucknow — Established 1953

पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार का

पर्यावरण सूचना, जागरूकता, क्षमता निर्माण एवं आजीविका कार्यक्रम (EIACP) आधारित

"पौधे एवं प्रदूषण" विषयक कार्यक्रम-केंद्र

सी.एस.आई.आर - राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ

भारतखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय कैसरबाग़ लखनऊ, द्वारा आयोजित "प्रकृति का महत्व: एक ज्ञानवर्धक प्रदर्शनी" में एनबीआरआई-ईआईएसीपी कार्यक्रम केंद्र का "पौधे एवं प्रदूषण" विषयक स्टाल, 19-20 जून 2025

"प्रदूषण नियंत्रण हेतु पौधों का महत्व: एनबीआरआई-ईआईएसीपी केंद्र की भागीदारी – भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ"

एनबीआरआई -ईआईएसीपी कार्यक्रम केंद्र ने 19 एवं 20 जून 2025 को भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा आयोजित "प्रकृति का महत्व: एक ज्ञानवर्धक प्रदर्शनी" में "पौधे एवं प्रदूषण" विषयक प्रदर्शनी स्टाल लगाया। इस स्टाल का मुख्य उद्देश्य आगंतुकों- विशेषकर विद्यार्थी, शिक्षक, शोधकर्ता, और आमजन-को पौधों की भूमिका एवं पर्यावरण प्रदूषण में उनकी उपयोगिता के बारे में सजग करना, तथा प्रदूषण नियंत्रण और पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण के लिए पौधों के संरक्षण की आवश्यकता को प्रकाशित करना था।

इस प्रदर्शनी का शुभारंभ विश्वविद्यालय की कुलपति महोदया, प्रो. मांडवी सिंह जी ने दीप प्रज्वलन के साथ किया। उन्होंने अपने संबोधन में प्रकृति और पर्यावरण के महत्व पर प्रकाश डाला और युवाओं से सतत विकास के लिए प्रकृति के साथ तालमेल बैठाने का आह्वान किया। कुलपति महोदया ने एनबीआरआई ईआईएसीपी स्टॉल का दौरा किया और परियोजना गतिविधियों में गहरी रुचि दिखाई।

इस आयोजन में एनबीआरआई-ईआईएसीपी के समन्वयक एवं वरिष्ट प्रधान वैज्ञानिक, डॉ पंकज कुमार श्रीवास्तव जी ने विद्यार्थियों, शिक्षकों, शोधार्थियों एवं आगंतुकों से संवाद करते हुए ईआईएसीपी कार्यक्रम

केंद्र के उद्देश्य एवं गतिविधियों पर विस्तार से जानकारी दी। साथ ही इस कार्यक्रम के अंतर्गत एक विशेष सत्र का आयोजन भी किया गया, जिसमें डॉ श्रीवास्तव जी "संगीत एवं पौधे " विषय पर अद्वितीय और रोचक व्याख्यान भी प्रस्तुत किया।

इसी क्रम में एनबीआरआई-ईआईएसीपी की सह-समन्वयक तथा वैज्ञानिक डॉ. अंजू पटेल ने “Green Belt Development around Industries” "उद्योगों के इर्द-गिर्द हरित पट्टी विकास" पर एक मॉडल प्रस्तुत किया, जिसमें इसके पर्यावरणीय लाभों पर जोर दिया गया। इसमें औद्योगिक परिदृश्यों के साथ हरियाली को एकीकृत करने वाला एक सुव्यवस्थित डिज़ाइन प्रदर्शित किया, जिसका उद्देश्य औद्योगिक गतिविधियों के कारण होने वाले पर्यावरणीय मुद्दों को कम करना था।

स्टाल पर, उपस्थित लोगों का सुश्री अनमता नफीस, डेटा एंट्री ऑपरेटर द्वारा प्रबंधित डेस्क पर पंजीकरण कराया गया। तत्पश्चात आगंतुकों को ईआईएसीपी केंद्र के "पौधे और प्रदूषण" विषय पर श्री मनीष चौधरी, आई. टी. अधिकारी द्वारा प्रदूषण को कम करने और पर्यावरणीय स्वास्थ्य को बढ़ाने में पौधों की महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तृत जानकारी दी गयी।

इसी क्रम में डॉ. वर्तिका सिंह, सूचना अधिकारी ने मिशन लाइफ पहल के विषय में लोगो को अवगत कराया, उन्होंने इसके मूल उद्देश्य को समझाया और बताया कि यह किस तरह से लोगों को पर्यावरण के अनुकूल व्यवहार अपनाने के लिए प्रोत्साहित करके संधारणीय जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए काम करता है। डॉ. सिंह ने मिशन लाइफ से सम्बंधित एक इंटरैक्टिव डार्ट खेल गतिविधि के द्वारा भी आगंतुकों

को मिशन लाइफ के सात विषयों से परिचित कराया। इस खेल द्वारा प्रतिभागियों को मिशन लाइफ की किसी एक थीम से संबंधित एक पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली का सुझाव देने के लिए प्रेरित किया गया। इन सुझावों को प्रतिभागियों द्वारा हरे पत्तों पर लिखा गया और "मिशन लाइफ के ग्रीन प्लेज ट्री" पर चिपकाया गया।

सुश्री एकता और स्वाति, शोधार्थी, एनबीआरआई ने सिंगल यूज़ प्लास्टिक प्रदूषण के विषय में लोगो को जागरूक किया। उन्होंने सिंगल यूज़ प्लास्टिक के कारण उत्पन्न होने वाले पर्यावरणीय संकट जैसे-भूमि एवं जल प्रदूषण, जलीय जीवों की मृत्यु, एवं मानवीय स्वास्थ्य पर दुष्प्रभावों को विस्तार से समझाया। उन्होंने बताया कि कैसे यह प्लास्टिक वर्षों तक नष्ट नहीं होता और पर्यावरण में माइक्रोप्लास्टिक बनकर जटिल समस्याएं उत्पन्न करता है। उन्होंने प्रतिभागियों को प्लास्टिक के विकल्प जैसे कपड़े और जूट के थैले, स्टील या तांबे की बोतलें, पुन: उपयोग योग्य कंटेनर आदि के प्रयोग के लिए प्रोत्साहित किया।

अंत में, डॉ. संध्या मिश्रा, कार्यक्रम अधिकारी ने ग्रीन प्लानर ऐप के बारे में जागरूकता दी। यह एक व्यापक डेटाबेस है जो वायु प्रदूषण को कम करने में प्रभावी विभिन्न पौधों की प्रजातियों के बारे में जानकारी प्रदान करता है। यह ऐप उपयोगकर्ताओं को सड़क किनारे के क्षेत्रों, सड़क के डिवाइडर, ग्रीनबेल्ट और इनडोर क्षेत्रों सहित विभिन्न स्थानों के लिए उपयुक्त पौधों का चयन करने में मदद करता है, साथ ही उनके पर्यावरणीय लाभों के बारे में भी जानकारी देता है।

साथ ही साथ स्टॉल पर विभिन्न पर्यावरणीय विषयों से सम्बंधित ज्ञानवर्धक सामग्री की एक विविध श्रृंखला प्रदर्शित की, जिसने 101 आगंतुको का ध्यान आकर्षित किया।

****